चुनावी समय : 2024 का अंतरिम बजट

द हिंदू

पेपर- III (भारतीय अर्थव्यवस्था)

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन का लगातार छठा बजट भाषण आम चुनाव से ऐन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और 2014 के बाद से उनके नेतृत्व वाली दो सरकारों द्वारा हासिल की गई आर्थिक उपलब्धियों पर खुद की पीठ थपथपाने देने वाला रिपोर्ट कार्ड था। अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन से संबंधित वित्त मंत्रालय की समीक्षा को प्रतिध्वनित करते तथा यह बतलाते हुए कि जब श्री मोदी ने पदभार संभाला था तो उन्हें 'विशाल चुनौतियां' विरासत में मिलीं थीं, सुश्री सीतारमन ने जोर देकर कहा कि 'संरचनात्मक सुधारों, जनोपयोगी कार्यक्रमों और रोजगार व उद्यमिता के अवसरों के सृजन' के जरिए उन परिस्थितियों पर काबू पाया लिया गया है। उन्होंने कहा कि नए सिरे से जान फूंकी गई अर्थव्यवस्था ने यह सुनिश्चित करने में मदद की है कि विकास का फल बड़े पैमाने पर लोगों तक पहुंचने लगा है, लोगों में आशा और उम्मीद जगी है जो पांच साल पहले दिए गए एक बड़े जनादेश में साकार हुए था। इस बात का एक स्पष्ट संकेत देते हुए कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार इस बार सत्ता में लौटने के प्रति कहीं ज्यादा आश्वस्त है, सुश्री सीतारमन ने ऐसी किसी भी घोषणा से परहेज किया जिसे मतदाताओं के एक विशेष वर्ग को लक्षित करने के रूप में देखा जा सके। इसके बजाय, जोर 'एक समावेशी और टिकाऊ नीतिगत दृष्टिकोण के प्रति प्रतिबद्धता पर बात करने पर था जिसकी बदौलत शासन, विकास और प्रदर्शन वाली कहीं ज्यादा व्यापक जीडीपी हासिल हुई।' उनकी यह बेपरवाह टिप्पणी कि सरकार जुलाई में अपने पूर्ण बजट में 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक रोडमैप का विवरण देगी, एक 'शानदार' चुनावी जनादेश पाने की निश्चितता पर आधारित थी।

बजट के आंकड़े राजकोषीय समेकन की राह पर एक अनवरत यात्रा को दर्शाते हैं। संशोधित अनुमान (आरई) के अनुसार चालू वर्ष का राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 5.8 फीसदी है, जो पिछले फरवरी के 5.9 फीसदी के बजट अनुमान (बीई) से 10 आधार अंक का सुधार है। वित्त मंत्री ने इस उपलब्धि को आरई में प्रभावी पूंजीगत व्यय में एक लाख करोड़ रुपये की कटौती करके हासिल किया है, बावजूद इसके कि नाममात्र की वृद्धि के अनुमान में नरमी आई है। वर्ष 2024-25 के लिए, उन्होंने एक तेज समेकन का अनुमान लगाया है और बीई के आधार पर राजस्व प्राप्तियों में 14 फीसदी की बढ़ोतरी के मद्देनजर घाटे को 5.1 फीसदी पर आंका है। इससे अनुमानित पूंजीगत व्यय में 11 फीसदी की वृद्धि को 11.11 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है। सुश्री सीतारमन, जिन्होंने पिछले चार वर्षों में पूंजीगत व्यय परिव्यय में तीन गुना वृद्धि पर जोर दिया था, जिसका 'विकास और रोजगार सृजन पर भारी गुणात्मक प्रभाव' पड़ा था, ने हालांकि इस तथ्य को नजरअंदाज कर दिया कि अगले वर्ष पूंजीगत व्यय में बजटीय वृद्धि पिछले वित्तीय वर्ष के वास्तविक आंकड़ों की तुलना में आरई में 28 फीसदी की बढ़ोतरी से काफी कम है। एक ऐसे समय में जब निजी उपभोग व्यय का आधिकारिक अनुमान महामारी के बाद सबसे निचले स्तर की वृद्धि को दर्शा रहा है, राजकोषीय विवेक पर बजट का दबाव आर्थिक गति को कमजोर करने का जोखिम रखता है। सबसे बड़ी चुनौती लगातार बढ़ती असमानता की चिंताजनक आशंका है।

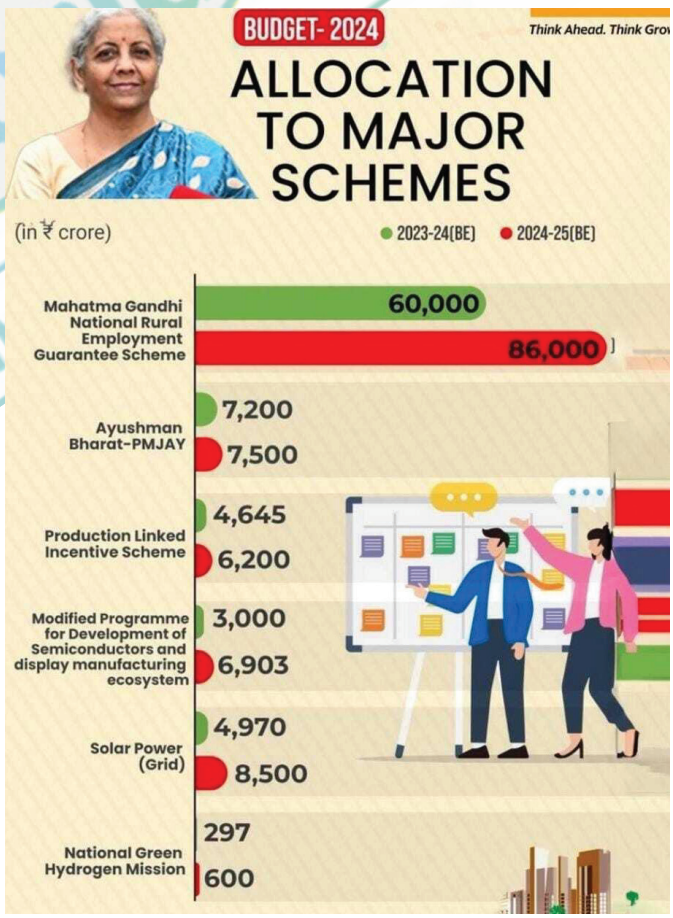

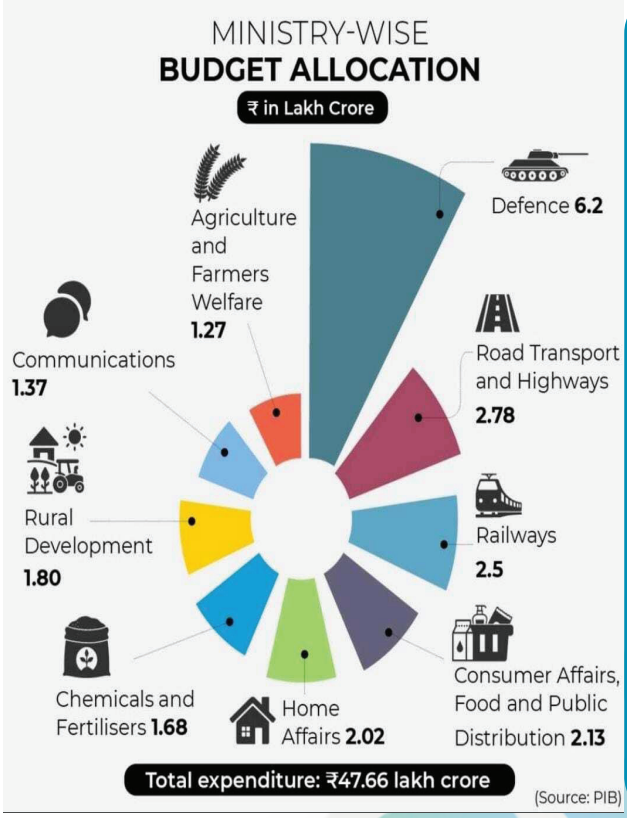

अंतरिम बजट की प्रमुख घोषणाएं

- बजट भाषण में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि ये अंतरिम बजट 4 सेक्टर्स पर फोकस है। ये 4 हैं गरीब, महिलाएं, युवा और अन्नदाता।
- पीएम आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 3 करोड़ घर बनाने का काम पूरा हुआ। 2 करोड़ घर अगले 5 साल में और बनाए जाएंगे।
- कृषि जलवायु क्षेत्रों में विभिन्न फसलों पर नैनो डीएपी का प्रयोग किया जाएगा।
- यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और आराम के लिए 40,000 सामान्य रेलवे बोगियों को वंदे भारत मानकों में परिवर्तित किया जाएगा।
- हर महीने 300 यूनिट बिजली फ्री दी जाएगी।
- तीन रेल कॉरिडोर शुरू किए जाएंगे।
- सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए 9-14 साल की बच्चियों का टीकाकरण होगा।
- आयुष्मान भारत का फायदा अब सभी आशा वर्कर्स, आंगनवाड़ी वर्कर्स को मिलेगा।
- अभी तक 11.8 करोड़ किसानों को किसान सम्मान निधि का लाभ मिला है।
- सरकार मौजूदा हॉस्पिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को डेवलेप करके नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाएंगे। इसके लिए एक कमेटी का गठन किया जाएगा।
- युवाओं को पीएम मुद्रा योजना के तहत 43 करोड़ लोन एग्रिगेशन पास किए गए, जिसमें 22.5 लाख करोड़ रुपए का लोन दिया गया। इस स्कीम के तहत युवाओं को 'रोजगारदाता' बनाने का संकल्प लिया है।

प्रारंभिक परीक्षा के संभावित प्रश्न (Prelims Expected Question)

प्रश्न : 2024-25 के अंतरिम बजट के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-

1. पीएम आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत लगभग तीन करोड़ घरों के लक्ष्य को प्राप्त किया गया है।
2. भारत में तीन प्रमुख आर्थिक रेलवे गलियारे बनाए जायेंगे।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

Que. Consider the following statements in the context of the interim budget for 2024-25:

1. The target of about three crore houses has been achieved under PM Awas Yojana (Rural).
2. Three major economic railway corridors will be built in India.

Which of the statements given above is/are correct?

(a) Only 1
(b) Only 2
(c) Both 1 & 2
(d) Neither 1 nor 2

उत्तर : C

मुख्य परीक्षा के संभावित प्रश्न व प्रारूप (Mains Expected Question & Format)

प्रश्न: 2024-25 के अंतरिम बजट में बड़ी घोषणाएं भले न हों लेकिन पिछले मजबूत आर्थिक प्रयासों के परिणाम और उनके संभावित भविष्योन्मुखी परिणामों को इसमें देखा जा सकता है। टिप्पणी करें।

उत्तर का दृष्टिकोण :

- उत्तर के पहले भाग में 2024-25 के अंतरिम बजट की बड़ी घोषणाओं की चर्चा करें।
- दूसरे भाग में प्रश्न में वर्णित दो मुख्य बिंदुओं के अनुरूप बजट की चर्चा करें।
- अंत में सुझाव देते हुए निष्कर्ष दें।

नोट : अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रखकर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।